

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रश्मि रथी	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- रश्मि रथी खंड काव्य के माध्यम से रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता से परिचय कराना।
- रश्मि रथी में अभिव्यक्त भारतीय आख्यान परंपरा की जानकारी प्रदान करना।
- रश्मि रथी खंड काव्य की रचनात्मक विशिष्टता से अवगत कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय आख्यान परंपरा को समझ सकेंगे।
- रश्मि रथी की रचनात्मक विशिष्टता से अवगत हो सकेंगे।

**इकाई – 1 : रामधारी सिंह दिनकर का जीवनवृत्त**

(12 घंटे)

- रामधारी सिंह दिनकर का जीवन परिचय और कृतित्व
- रश्मि रथी खंड काव्य की कथावस्तु
- रश्मि रथी की सांस्कृतिक चेतना और स्मृति
- रश्मि रथी में आधुनिकता के संदर्भ

**इकाई – 2 : रश्मि रथी का शिल्प विधान**

(12 घंटे)

- रश्मि रथी की भाषा
- रश्मि रथी की प्रतीक योजना
- रश्मि रथी में बिंब विधान
- रश्मि रथी का काव्य रूप



इकाई – 3 : रश्मिरथी की पाठ आधारित व्याख्या – 1

(12 घंटे)

- प्रथम सर्ग – कर्ण का शौर्य प्रदर्शन
- द्वितीय सर्ग – कर्ण का आश्रमवास
- तृतीय सर्ग – कृष्ण का संदेश
- चतुर्थ सर्ग – कर्ण की दानवीरता और त्याग

इकाई – 4 : रश्मिरथी की पाठ आधारित व्याख्या – 2

(9 घंटे)

- पंचम सर्ग – कुंती की चिंता
- षष्ठम सर्ग – कर्ण की शक्ति परीक्षा
- सप्तम सर्ग – कर्ण का बलिदान

सहायक ग्रंथ :

1. दिनकर, रामधारी सिंह; रश्मिरथी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
2. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
3. दिनकर, रामधारी सिंह; कविता की पुकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. दिनकर, रामधारी सिंह; रचनावली, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
5. मेघ, रमेश कुंतल; मिथक से आधुनिकता तक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; काव्यभाषा पर तीन निबंध, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश ।
7. सिंह, केदारनाथ; आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; भारत की सांस्कृतिक कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
9. कुमार, दिनेश (संपादक); रश्मिरथी : एक पुनः पाठ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

